



Literacy for a Billion

Movie: Dil Bhi Tera Hum Bhi Tere

Year: 1960

Song: Mujhko Iss Raat

Lyricist: Shamim Jaipuri

मुझको इस रात की तन्हाई में
आवाज न दो
आवाज न दो
आवाज न दो

जिसकी आवाज रूला दे
मुझे वो साज न दो
वो साज न दो
आवाज न दो

रोशनी हो न सकी
दिल भी जलाया मैंने
तुमको भूला ही नहीं
लाख भुलाया मैंने
मैं परेशाँ हूँ
मुझे और परेशाँ न करो
आवाज न दो
मुझको इस रात की तन्हाई में
आवाज न दो

आवाज न दो
आवाज न दो

इस कदर जल्द किया
मुझसे कनारा तुमने
कोई भटकेगा अकेला ये न सोचा तुमने
छुप गये हो तो
मुझे याद भी आया न करो
आवाज न दो
मुझको इस रात की तन्हाई में
आवाज न दो
आवाज न दो
आवाज न दो

जिसकी आवाज रूला दे
मुझे वो साज न दो
वो साज न दो
आवाज न दो

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.